प्रेस विज्ञप्ति

हिन्दुस्तान कॉलेज में मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा इंस्टीट्यूशन इनोवेशन सैल की स्थापना

शारदा ग्रुप के प्रतिष्ठित संस्थान हिन्दुस्तान कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी को मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) द्वारा इनस्टीट्यूशन इनोवेशन सैल की स्थापना की स्वीकृति प्रदान की है। इस कार्य के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने पूरे भारत वर्ष में एक हजार उच्च शिक्षा संस्थानों को चयन किया है। हिन्दुस्तान कॉलेज मथुरा संस्थान में से एक है जिसे इस प्रतिष्ठित सेल से सम्मानित किया गया है।

इस उपलब्धि के अवसर पर शारदा ग्रुप के वाइस चेयरमैन श्री वाई.के. गुप्ता ने उल्लेख किया कि यह हिन्दुस्तान कॉलेज की एक बड़ी उपलब्धि है और नवाचार ऊष्मायन के क्षेत्र में एक और मील का पत्थर है। यह सेल कोर्स पाठ्यक्रम के अलावा व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ायेगा और समृद्ध करेगा। छात्रों को विभिन्न आयामों में विशेषज्ञों से बातचीत करने का अवसर मिलेगा जिससे उद्यमशीलता कौशल विकसित करने के नये आयाम मिलेंगे।

शारदा ग्रुप के कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रो. वी. के. शर्मा ने बताया कि यह अभिनव कक्ष आगरा और मथुरा क्षेत्र के छात्रों की उरूरतों को पूरा करने के लिए ज्ञान हब होगा, जिससे छात्रों को सामाजिक मांगों की नवीन परियोजनाओं को डिजाइन और विकसित करने का अवसर मिलेगा।

हिन्दुस्तान कॉलेज के निदेशक डॉ. राजीव कुमार उपाध्याय ने हिन्दुस्तान कॉलेज का चयन करने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) को धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि यह सेल भारत सरकार का एक नवीन पहल है और युवा छात्रों के लिए उनके विचारों, ज्ञान परिवर्तन और अवधारणा के सबूत में परिवर्तित करने के लिए एक संज्ञानात्मक मंच तैयार करेगा। यह संज्ञानात्मक क्षमता भी विकसित करेगा और प्रौद्योगिकी छात्रों के लिए नये आयाम स्थापित करने में मदद करेगा। उन्होंने उल्लेख किया कि हिन्दुस्तान

कॉलेज कैंपस में स्थित राज्य और केन्द्र सरकार ऊष्मायन केन्द्र के माध्यम से विचारों और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के प्रयास में है।

वर्तमान में बी.टेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग और सेल के छात्र प्रमुख समन्वयक श्री अभिनंदन दास ने बताया कि इंजीनियरिंग की विभिन्न शाखाओं के छात्रों का चयन किया गया है जिससे छात्र साथी छात्रों के बीच नवाचार की संस्कृति को फैलायेंगे और अभिनव परियोजनाओं के मार्गदर्शन में मदद करेंगे। उन्होंने उल्लेख किया कि एआईसीटीई ने एक साल का कार्यक्रम तैयार किया है। जिसमें छात्रों के लिए संज्ञानात्मक कौशल, डिजाइन सोच और गंभीर सोच पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, संगोष्ठी, कार्यशाला शामिल हैं। इसके अलावा बिजनेस प्लान डेवलपमेंट, लीडरशिप वार्ता पर सेमीनार भी होंगे और आस–पास के अस्पतालों, गांवों में भी जाया जायेगा। छात्रों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए आइडिया और डिजाइन प्रतियोगितायें होंगी।

इनोवेशन इंस्टीट्यूशन सेल के प्रेसीडेंट श्री टी.एस.एस. सुब्रमण्यन ने बताया कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) के निर्देशों के अनुसार एक समिति गठित की गई है। समिति में ऊष्मायन केन्द्र, उद्योग, पेटेंट, सिडबी, लीड बैंक, पूर्व छात्रों, उद्यमी और 16 छात्र सदस्य हैं, जो सेल के ब्रांड एंबेसडर हैं। उन्हें यह सूचित करने में प्रसन्नता हो रही थी कि सिडबी आई.आई.एम., लखनऊ इनकूबेटर की सी.ई.ओ. श्रीमती रितु दुवे, के.पी.एम. जी. के एसोसिएट निदेशक श्री अभिषेक तिवारी, कानून एवं न्याय मंत्रालय के संयुक्त संचिव श्री जी.आर. राघवेन्द्र ने अपनी विशेषज्ञता एवं परामर्श की संहर्ष सहमति दी।

इस अवसर पर संस्थान के समस्त डीन, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, कर्मचारियों ने खुशी व्यक्त की।